हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 28 | अलीगढ़, बुधवार, 30 अगस्त 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

योगी आदित्यनाथ बोले, जनता की हर समस्या के समाधान के लिए हर वक्त तैयार है सरकार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार जनता की हर समस्या के समाधान के लिए दृढ़ संकल्पित है। योगी ने

सोमवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने के दौरान कहा कि जिन जरूरतमंदों का पैसे के अभाव में इलाज नहीं हो पा रहा है, सरकार उनके साथ सदैव खड़ी है। वह बेझिझक सरकार के सामने अपनी समस्या रख सकते हैं। उनका पैसे के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। उनके इलाज के लिए सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। सरकार प्रदेश के जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की हर समस्या को समझती है और उसके निराकरण के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 500 से अधिक फरियादियों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान कई आलाधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होने सभी जिलाधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों को आमजन की समस्या को अपनी प्राथमिकता में शामिल करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्या के समाधान में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समय से अपने ऑफिस पहुंचकर जनता की समस्याएं सुनने के निर्देश दिये और प्राथमिकता के आधार पर उसका निस्तारण करने को कहा। उनकी हर समस्या का समयबद्ध तरीके से निस्तारण कर हर संभव मदद की जाए।जनता दर्शन में ज्यादातर मामले अवैध कब्जे, आपसी संपत्ति विवाद, आपसी विवाद, परिवारिक कलह, पैमाइश और इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार को लेकर आए। सीएम योगी ने आए सभी लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ है, उन्हें किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ति के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोगों की रोजगार संबंधी समस्या पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक भरोसा देते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागों में जनता से मिलने के समय का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान अधिकारी अपने ऑफिस में मौजूद रहें। यदि वह किसी आवश्यक कार्य के चलते ऑफिस में नहीं उपस्थित हैं तो अपने अधीनस्थ को यह जिम्मेदारी सौंपें ताकि प्राथमिकता के आधार पर प्रदेश की जनता की समस्या का समाधान हो सके। वहीं उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को आदेश दिया कि पुलिस प्रशासन से जुड़े मामलों को लटकाया न जाए, उसे समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए। वहीं इन मामलों को ज्यादा से ज्यादा थाने स्तर पर ही निपटाया जाए ताकि जनता में पुलिस का इकबाल और मजबूत हो सके।

आल्ट न्यूज के मोहम्मद जुबैर के खिलाफ प्राथमिकी, छात्र की पहचान का खुलासा करने का आरोप

मुजफ्फरनगर(एजेंसी)। जिले के एक निजी स्कूल में एक शिक्षिका के निर्देश पर एक छात्र को उसके सहपाठियों से थप्पड़ लगवाए जाने की घटना के पीड़ित की पहचान का खुलासा करने के आरोप में 'आल्ट न्यूज के सह–संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के खुब्बापुर गांव स्थित स्कूल की शिक्षिका तृप्ता त्यागी के निर्देश पर कक्षा–2 के एक छात्र के सहपाठियों ने उसे शुक्रवार को थप्पड़ मारा था। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजीव सुमन ने बताया कि किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 74 के तहत मोहम्मद जुबैर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गांव के निवासी एवं शिकायतकर्ता विष्णु दत्त ने आरोप लगाया है कि जुबैर ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर बच्चे की पहचान का खुलासा किया। शुक्रवार को शिक्षिका का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कक्षा–2 के एक मुस्लिम छात्र के कथित तौर पर गृह कार्य (होमवर्क) पूरा नहीं करने को लेकर उसके सहपाठियों द्वारा उसे थप्पड़ मारे जाते देखा जा सकता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद शनिवार को पीड़ित छात्र के परिवार की शिकायत के आधार पर त्यागी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया। त्यागी ने अपने बचाव में कहा कि मामले को सांप्रदायिक रंग देने के लिए वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। उसने दावा किया कि वीडियो छात्र के चाचा ने शूट किया था। शिक्षिका ने कहा कि छात्र को उसके सहपाठियों से थप्पड़ लगवाना गलत था, लेकिन उसे ऐसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वह दिव्यांग हैं और वह अपना गृह कार्य नहीं करने वाले छात्र तक पहुंचने में सक्षम नहीं थीं।

ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्तकरेगी सरकार, योगी सरकार ने ग्राम पंचायतों और अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ(संवाददाता)। ग्राम पंचायतों को स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए जरूरी है कि पहले उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बात को भली–भांति जानते हैं कि बिना ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाए प्रदेश को इससे मुक्ति नहीं दिलायी जा सकती है। यही कारण है कि सीएम योगी ने श्टीबी मुक्त पंचायतश बनाने के लिए श्टीबी मुक्त भारतश के विजन को प्रदेश में मिशन के रूप लागू करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक समेत सूबे के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और जिला क्षय रोग अधिकारियों (डीटीओ) को विशेष दिशा–निर्देश जारी किये हैं। इसके लिए डीटीओ और डीपीआरओ के स्तर पर बैठक कर पंचायत को टीबी मुक्त बनाने पर मंथन किया जाएगा। जिला से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अभियान से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो कि अपने–अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित करेंगे। इसके साथ ही जिला टीबी केंद्र के सहयोग से पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत की स्थिति के लिए तैयार किया जाएगा। टीबी मुक्त करने के प्रयासों की गतिविधियों को पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) में भी शामिल किया जाएगा। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. दीपा त्यागी ने बताया कि समुदाय को टीबी के विभिन्न पहलुओं जैसे–लक्षण, रोकथाम, भ्रांतियों को दूर करना, उपचार का पालन, जांच और उपलब्ध उपचार

सुविधाओं समेत टीबी रोगियों के लिए योगी सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाले विभिन्न लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत खंड विकास अधिकारी ब्लॉक स्तर पर टीबी मुक्त पंचायत के लिए सभी पात्र ग्राम पंचायतों के दावों को सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ जिला क्षय रोग अधिकारी को सत्यापन के लिए भेजेंगे। इसमें टीबी मुक्त पंचायत की स्थिति के लिए उपयुक्त मिलने वाली ग्राम पंचायतों की सत्यापित सूची जिला टीबी टीम जिलाधिकारी को भेजेगी। इसी के आधार पर हर साल विश्व क्षय रोग दिवस (24 मार्च) पर जिलाधिकारी योग्य ग्राम पंचायतों को एक साल की वैधता के साथ टीबी मुक्त पंचायत का प्रमाण पत्र जारी करेंगे। टीबी मुक्त पंचायत बनाने में पंचायत विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की अहम भूमिका होगी। जिला क्षय रोग अधिकारी के साथ ही सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर (एसटीएस), टीबी होम विजिटर (टीबीएचवी), सीनियर टीबी लैब सुपरवाइजर, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं की इस मुहिम में अलग–अलग जिम्मेदारी तय की गयी है। आशा कार्यकर्ता टीबी मरीजों की जानकारी आशा डायरी में दर्ज करेंगी, समुदाय में टीबी रोगियों की पहचान करेंगी और जांच में मदद करेंगी। टीबी मरीजों को दवा मुहैया कराएंगी और पोषण सलाह के साथ उपचार पालन और पूरा इलाज का परामर्श देंगी। वह बैंक खाते का विवरण दर्ज कराएंगी ताकि इलाज के दौरान टीबी रोगियों को सही पोषण के लिए हर माह 500 रुपये मिल सकें। एएनएम समुदाय स्तर पर पोस्टर के माध्यम से टीबी के बारे में जानकारी देंगी। टीबी के लक्षण जैसे– दो हफ्ते से खांसी–बुखार आना, वजन में कमी, रात को पसीना आना आदि के बारे में बताएंगी और इन लक्षणों वाली महिलाओं की स्क्रीनिंग करेंगी। टीबी रोगियों की मदद के लिए आउटरीच गतिविधियों में समन्वय के साथ रोगियों को उपचार के लिए प्रेरित करेंगी। सीनियर टीबी लैब सुपरवाइजर ग्राम पंचायत में पाजिटिव मरीजों की सूची हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर,उपकेन्द्र की टीम के साथ साझा करेंगे। जिला क्षय रोग अधिकारी व चिकित्सा अधिकारी को सैम्पल जांच के लिए परिवहन में जरूरी मदद करेंगे। टीबी मुक्त पंचायत मुहिम में सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर और टीबी होम विजिटर की भी अहम भूमिका होगी। वह ग्राम,पंचायत में एक्टिव केस फाइंडिंग (एसीएफ) में सहयोग करेंगे, टीबी मरीजों के घर पर मासिक विजिट में सहयोग करेंगे और ग्राम पंचायतों को टीबी मरीजों के नामांकन रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर में जरूरी जानकारी संगृहीत करने में सहयोग करेंगे।

भारत बहुत जल्द टॉप-3 अर्थव्यवस्था में होगा शामिल : पीएम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत सरकारी विभाग और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। युवाओं को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि भारत बहुत जल्द टॉप–3 अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएगा। उन्होंने कहा, भारत इस दशक में दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। जब मैं गारंटी देता हूं तो मैं इसे पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाता भी हूं। 9 साल पहले आज ही के दिन शुरू की गई जन धन योजना की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हमने आज ही के दिन नौ साल पहले जन धन योजना शुरू की थी। वित्तीय लाभ के अलावा, इस योजना ने रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ष्खाद्य से लेकर फार्मा तक, अंतरिक्ष से लेकर स्टार्टअप तक, किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सभी क्षेत्रों का विकास करना आवश्यक है। फार्मा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और यह आने वाले दिनों में रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में ये दोनों इंडस्ट्री और भी विकसित होने वाली हैं।श्श

2030 तक पर्यटन क्षेत्र का भारतीय अर्थव्यवस्था में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का योगदान होने की संभावना है। यह 13–14 करोड़ नई नौकरियां पैदा कर सकता है।ष्

मोदी ने कहा कि युवाओं के लिए नए रास्ते खोलने के लिए अर्धसैनिक बलों की भर्ती प्रक्रिया में भी कई बदलाव किए गए हैं। मोदी ने कहा, इन दिनों फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के महत्व पर बहुत चर्चा हो रही है। भारत का फूड प्रोसेसिंग मार्केट पिछले साल 26 लाख करोड़ रुपये का था। अगले तीन सालों में यह क्षेत्र 35 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि देश मोबाइल फोन के साथ–साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर भी फोकस कर रहा है। प्रधान मंत्री ने बताया, हम आईटी हार्डवेयर उत्पादन क्षेत्र में वही सफलता दोहराने वाले हैं जैसे हमने मोबाइल फोन क्षेत्र में हासिल की थी।

विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल होने से पहले अमिताभ बच्चन से मिलेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी 31 अगस्त और 1 सितंबर को इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की दो दिवसीय बैठक से एक दिन पहले मुंबई पहुंचेंगी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री के 30 अगस्त यानी रक्षाबंधन वाले दिन की शाम को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है।

अब तक तय कार्यक्रम के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता मुंबई आने के बाद सीधे बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के बंगले पर जाएंगी और उन्हें राखी बांधेंगी.

राज्य मंत्रिमंडल के एक सदस्य ने कहा, इससे पहले भी कई मौकों पर सुपरस्टार और उनकी पत्नी जया बच्चन कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के मौके पर कोलकाता आ चुके हैं। पिछली बार जब वे कोलकाता आए थे, तो जया बच्चन ने विशेष रूप से सीएम ममता को मुंबई जाने पर अपने बंगले में आने के लिए आमंत्रित किया था। श्श

उनका 31 अगस्त की शाम को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रात्रिभोज में भी शामिल होने का कार्यक्रम है। मुंबई में विपक्षी गठबंधन की बैठक, पटना और बेंगलुरु के बाद ऐसे समय में हो रही है जब कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों की पश्चिम बंगाल इकाइयों में तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौता करने के पीछे के तर्क को लेकर उथल–पुथल मची हुई है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस राज्य में उनका प्रमुख विपक्ष है। जबकि सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं के हाथों राज्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दुर्दशा के बीच कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग ममता बनर्जी के साथ उनके मेलजोल को लेकर अपने केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बेहद मुखर है। इसी तरह का आंतरिक तनाव सीपीआई (एम) के भीतर पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी को लेकर पैदा हो रहा है, जिन्हें ममता बनर्जी के साथ एक ही मंच और यहां तक कि एक ही फ्रेम में देखा गया।

प्रज्ञान रोवर ने पार की पहली रुकावट, सामने आया क्रेटर, इसरो ने दी बड़ी खुशखबरी

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारत का चंद्रयान3 चंद्रमा की सतह पर ठीक से काम कर रहा है। प्रज्ञान रोवर लैंडर के आस–पास घूमकर चंद्रमा की सतह के नमूने ले रहा है और भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) को डेटा भेज रहा है। जब रोवर चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर के आस–पास घूम रहा था तभी उसके सामने एक बड़ी चुनौती आ गई। दरअसल, चंद्रमा पर कई गहरे गड्ढे हैं। ऐसे में प्रज्ञान रोवर के सामने चार मीटर व्यास का एक क्रेटर आ गया। इसे रोवर ने सफलतापूर्वक पार कर लिया। इसरो (इसरो) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

इसरो ने सोशल मीडिया एक्स पर तस्वीरें जारी करते हुए बताया कि 27 अगस्त, 2023 को, रोवर को अपने स्थान से 3 मीटर आगे स्थित 4 मीटर व्यास वाला गड्ढा मिला। रोवर को पथ पर वापस लौटने का आदेश दिया गया। यह अब सुरक्षित रूप से एक नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। इसरो के वैज्ञानिक ज्यादा उत्साहित हैं। साथ ही उन्हें पूरा विश्वास हो गया है कि प्रज्ञान हर बाधा को पार करके अपनी रिसर्च

जारी रखेगा। हालांकि, रोवर के संचालन की सीमाएं हैं। बार जब नेविगेशन कैमरा चित्र भेजता है तो अधिकतम पांच मीटर तक डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) उत्पन्न किया जा सकता है। इसका मतलब यह है कि जब भी रोवर को चलने का आदेश दिया जाता है, तो वह अधिकतम पांच मीटर की दूरी तय कर सकता है। इससे पहले इसरो ने चंद्रमा की सतह पर तापमान भिन्नता का एक ग्राफ रविवार को जारी किया और अंतरिक्ष एजेंसी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने चंद्रमा पर दर्ज किए गए उच्च तापमान को लेकर आश्चर्य व्यक्त किया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, 'चंद्र सर्फेस थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट (चेस्ट) ने चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, दक्षिणी ध्रुव के आसपास चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी का 'तापमान प्रालेखश मापा। इसरो ने 'एक्सश (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''यहां विक्रम लैंडर पर चेस्ट पेलोड के पहले अवलोकन हैं। चंद्रमा की सतह के तापीय व्यवहार को समझने के लिए, चेस्ट ने ध्रुव के चारों ओर चंद्रमा की ऊपरी मिट्टी के तापमान प्रालेख को मापा। इसरो ने एक बयान में कहा, ''इसमें 10 तापमान सेंसर लगे हैं। प्रस्तुत ग्राफ विभिन्न गहराइयों पर चंद्र सतह,करीबी–सतह की तापमान भिन्नता को दर्शाता है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के लिए ये पहले ऐसे प्रालेख हैं। विस्तृत अवलोकन जारी है। वैज्ञानिक दारुकेशा ने कहा, ''जब हम पृथ्वी के अंदर दो से तीन सेंटीमीटर जाते हैं, तो हमें मुश्किल से दो से तीन डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता दिखाई देती है, जबकि वहां (चंद्रमा) यह लगभग 50 डिग्री सेंटीग्रेड भिन्नता है। यह दिलचस्प बात है। वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि चंद्रमा की सतह से नीचे तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है। उन्होंने कहा कि भिन्नता 70 डिग्री सेल्सियस से शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे तक है।

मुझे कुछ नहीं बनना, हमलोग सबको एकजुट कर रहे : नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी)। विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एकबार फिर दोहराया कि उन्हें कुछ नहीं बनना। उन्होंने कहा कि हमलोग सबको एकजुट कर रहे हैं। पटना में पत्रकारों से चर्चा के दौरान आईएनडीआईए (इंडिया) गठबंधन में संयोजक बनाए जाने के संबंध में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बराबर कह रहे हैं कि हमको कुछ नहीं बनना है।

दूसरे लोगों को बनाया जाएगा। हमारी कोई इच्छा नहीं है। हम सबको एकजुट करना चाहते हैं । उन्होंने कहा, हमको कुछ व्यक्तिगत नहीं चाहिए। हम सबका हित चाहते हैं इसलिए कभी ये सब मत सोचिए कि हम व्यक्तिगत कुछ चाहते हैं। हमलोग तो सबको एकजुट कर रहे हैं । विपक्षी दलों की अगली बैठक मुंबई में होनी है। माना जा रहा है कि इस बैठक में संयोजक के नाम की घोषणा की जाएगी।

सम्पादकीय

वाकई सुनहरी जीत

अब चाहे कुदरत की विसंगति हो या विषम परिस्थितियों की मार, शरीर की कोई भी अपूर्णता व्यक्ति को लाचार बनाती है। हम तमाम आदर्शों की बात करें, लेकिन अपूर्णता से पैदा हुई दुश्वारियां जीवन असहाय बना देती हैं। यह कष्ट शारीरिक भी है और मानसिक भी। समाज का अप्रिय व्यवहार इसे और कष्टदायक बना देता है। जीवन की राह और जटिल हो जाती है जब किसी की आंखों में रोशनी न हो। लेकिन इन तमाम दुश्वारियों के बावजूद कोई ऐसी टीम देश के लिये स्वर्ण पदक ले आये तो उसकी मुक्तकंठ से प्रशंसा करनी होगी। एक तो नेत्र–ज्योति के बिना दुष्कर दिनचर्या, फिर खेल की तैयारी करना। उसके बाद एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्णपदक ले आना, निस्संदेह प्रशंसनीय और प्रेरणादायक ही कहा जायेगा। ऐसा ही करिश्मा कर दिखाया है भारत की दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने, जिसने बीते शनिवार को इंटरनेशनल ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन यानी आईबीएसएफ के विश्व खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। यह विडंबना ही है कि उनकी इस उपलब्धि ा की देश में चर्चा कम ही हुई। उन्हें खबरों में कम जगह मिली। हालांकि, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई देकर प्रोत्साहित किया। टीम ने बारिश से प्रभावित मैच में आस्ट्रेलिया को हराया। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया जैसी टीम को नौ विकेट से हराना बड़ी बात है। इंटरनेशनल ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन के पहले ब्लाइंड क्रिकेट चौंपियनशिप के पहले संस्करण में यह उपलब्धि ऐतिहासिक–प्रेरणादायक है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले के मैचों में भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा और उसने इंग्लैंड समेत कई टीमों को हराया। इतना ही नहीं टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने फाइनल समेत आस्ट्रेलियाई टीम को तीन बार हराया। निस्संदेह, यह एक यादगार सफलता है, जिसके मूल में भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की जीवटता और प्रतिभा निहित है। जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व करेगा। वाकई कल्पना करना कठिन है कि कैसे ये दृष्टिबाधित खिलाड़ी अपने खेल का अभ्यास करते होंगे और कैसे खेल को निखारते होंगे। वैसे इस खेल में आंखों की जगह कानों की बड़ी भूमिका होती है। दरअसल, ब्लाइंड क्रिकेट का प्रारूप कुछ इस तरह तैयार किया गया है, जो नेत्रहीन व आंशिक दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के हिसाब से हो। खेल के इस प्रारूप में गेंद को मारने के लिये सामान्यतरू स्वीप शॉट का इस्तेमाल किया जाता है। इस खेल को वर्ष 1996 से विश्व ब्लाइंड क्रिकेट परिषद द्वारा संचालित किया जाता है। अब तक पांच विश्व ब्लाइंड क्रिकेट विश्वकप आयोजित किये गए हैं। वर्ष 2014 में भारतीय टीम ने पाक को हरा कर चौंपियनशिप जीती थी। बहरहाल, इन खिलाड़ियों की स्वर्णिम उपलब्धि में हर भारतीय के लिये कई संदेश छिपे हैं। पहला संदेश अभिभावकों व समाज के लिये है कि यदि कुदरत किसी को शारीरिक अपूर्णता देती है तो उसमें कई विशिष्ट गुण भी भर देती है। आमतौर पर दृष्टिहीन बच्चों की एकाग्रता और याददाश्त गजब की पायी जाती है क्योंकि वे अपने जीवन लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहते हैं। दूसरे, समाज के व्यवहार में दया नहीं, इनका उत्साह व आत्मसम्मान बढ़ाने का भाव होना चाहिए।

मेष :– सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। अच्छे आचार–विचार से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। अपने स्वास्य का पूरा ख्याल रखें। आलस्य कतई न करें।

बृषभ :– कोई महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ाएंगे। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करने हेतु मन को केंद्रित करें।

मिथुन :– आलस्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवरोधक होगा। नये कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी संबंधी अथवा स्वयं की अस्वस्थता से परेशान हो सकते हैं। जीवन साथी के स्वासय के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

कर्क :– निकट संबंधों में कुछ अप्रिय बातें दूरी पैदा करेंगी। भौतिक आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी ी। मूल्यवान समय को व्यर्थ में जाया न न होने दें। कार्यक्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

सिंह :– महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्या :– कार्य के अत्याधिक बोझ से मन बोझिल होगा। जीवनसाथी के भावनात्मक सहयोग से उत्साह का संचार होगा। शासन–सत्ता व राजकीय क्षेत्र के लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी।

तुला :– ईरीय आस्था में वृद्धि होगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। महत्वाकांक्षाओं को फलित करने में असमर्थता संभव। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक :– उच्च महत्वाकांक्षा जल्द ऊंची प्रगति के लिए प्रेरित करेंगी। किसी नई योजना पर विचारमग्न होंगे। दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

धनु :– राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय लाभप्रद रहेगा। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। असमाजिक तत्वों से दूरी बनायें। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– सगे–संबंधों में नैतिक कर्त्तव्यों से विमुख न हो। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। घर में किसी मेहमान के आने से व्यय संभव।

कुंभ :– पूरा दिन अध्यात्मिक एवं पारंपरिक कायरें में व्यतीत होगा। किसी इच्छित कार्य की पूर्ति से प्रसन्नता संभव। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

मीन :– निराशावादी विचारों का त्याग करें। परिजनों की छोटी–छोटी बातों का बुरा न माने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

बच्चों तक फैलता नफरत का जहर

किसी भी सभ्य व्यक्ति को भीतर तक हिलाकर रख दे ने वाले मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के एक गांव के स्कूल के वायरल वीडियो ने बतला दिया है कि परस्पर घृणा का जहर बच्चों की नसों में तक दौड़ रहा है। इसमें एक निजी स्कूल की पांचवी कक्षा के बच्चे शिक्षिका के निर्देश पर एक मुस्लिम बच्चे को थप्पड़ मार रहे हैं। उस निरीह बच्चे की गलती मामूली सी रही होगी। शायद होमवर्क पूरा न करने या छोटी–मोटी शरारत की। जब बच्चे को उसके अन्य सहपाठी एक–एक कर थप्पड़ जड़ रहे थे तो वह शिक्षिका मुस्लिमों के खिलाफ सतत उवाच कर रही थी। वह बच्चों को और जोर से मारने के लिये भी उकसा रही थी। एक बच्चे को उसकी ध ार्मिक पहचान के आधार पर पिटवाना यह बताने के लिये काफी है कि जहर की खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है और हमारे राजनीतिज्ञ इतनी फसल ले लेना चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियों तक को कमी न रहे। रूह कांप जायेगी यह सोचकर कि जिस बच्चे ने मार खाई और जो बच्चे अपने अल्पसंख्यक मित्र को सहर्ष पीट रहे हैं, दोनों किस मानसिकता के साथ बड़े होंगे और कैसा समाज रचेंगे। अगर इस नफरत के स्रोत और जिस रास्ते से चलकर वह पीटने वाले बच्चों के दिलो–दिमाग में जा समाई है, उसकी शिनाख्त करें तो कुछ बातें साफ हैं। पहली यह कि गैर बराबरी पर आधारित हमारी सामाजिक संरचना में एक–दूसरे के लिये नैसर्गिक आदर व सहज प्रेम का अभाव तो रहा है जो कहीं–कहीं तीव्र घृणा के स्तर तक पहुंच जाता है, तो भी देश के कुछ ध र्म प्रवर्तकों, बड़े चिंतकों, दार्शनिकों, समाज सुधारकों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों और राजनैतिक नेतृत्व

करने वाले लोगों ने इसका असर अधि ाक नहीं होने दिया था। तमाम तरह की वैचारिक विभिन्नताओं और विविध तापूर्ण जीवन शैलियों के बीच बने–बढ़े समाज ने मान्यताओं व नजरियों के अंतर के साथ जीना सीख लिया था। यहां तक कि हिन्दू धर्म से एकदम अलग तरह के धार्मिक विश्वासों को लेकर आये ईसाइयों, मुसलमानों, यहूदियों, पारसियों आदि के साथ भी यहां के लोग थोड़ी बहुत खटपट के साथ जीते हुए समावेशी समाज का ताना–बाना बचाये व बनाये रखने में कामयाब रहे। इसका सबसे बड़ा कारण यही था कि बहुतायत वाले इसी हिन्दू धर्म से बौद्ध, जैन एवं सिख धर्म निकले, अनेक तरह के सम्प्रदाय बने और कई तरह की उपासना पद्धतियां निर्मित हुईंय पर सभी की आपस में निभती रही।इसी बहुरंगी समाज ने भारतीय कुनबे को शक्तिशाली बनाया जो जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ता रहा, फिर वह चाहे वे कलाएं हों या साहित्य, विज्ञान हो अथवा दर्शन। भारत में विविधता के बीच जो एकता थी, उसने फिरंगियों के खिलाफ स्वतंत्रता पाने के पहले संग्राम को मिल–जुलकर लड़ने की प्रेरणा दी। इसकी नाकामी के बावजूद एक संगठित समाज फिर से बना जिसने अपनी आजादी की लड़ाई के लिये खुद को नये सिरे से तैयार किया। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता की राह पर देश के प्रमुख सम्प्रदायों–हिन्दुओं एवं मुसलमानों को साथ लिया लेकिन दोनों समुदायों के बीच मौजूद फिरकापरस्त तत्वों ने परस्पर वैमनस्यता को हवा दे दी। मुस्लिम लीग ने अपने लिये अलग देश बनाया और भारत में हिन्दू महासभा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने देश के बंटवारे के बाद भी साम्प्रदायिकता नहीं छोड़ी। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस खाई को खत्म करने के लिये विकास व खुशहाली को हथियार बनाया। जो कट्टर तत्व सत्ता से दूर रहे वे उस तक पहुंचने के लिये घृणा के मार्ग पर चलते रहे और यह भी मानते रहे कि अलग धर्म के अनुयायियों के खिलाफ हिंसा अपनाने में कोई बुराई नहीं। इसकी प्रेरणा भी उन्हें उसी ध र्म से मिलती रही जिसे कतिपय अपरिहार्य कारणों से मध्य युग में युद्ध का सहारा लेना पड़ा था।

बहरहाल, सभी धर्मों की कट्टरता को पूर्ववर्ती सरकारों ने दबाये रखा। बेशक, कई प्रकरणों में उन्हें सफलता नहीं मिली पर नफरत व हिंसा का समर्थन किसी भी सत्ता ने कभी नहीं किया। यह हाल का फिनोमिना है। आरएसएस की राजनैतिक विंग भारतीय जनता पार्टी की ताकत बढ़ने के साथ यह भावना बढ़ी, साथ ही साम्प्रदायिक हिंसा व घृणा आधारित घटनाएं भी।

1991 में अयोध्या की बाबरी मस्जिद को ढहाया गया और उसके कारण भाजपा ताकतवर होती चली गई, तो इस फार्मूले को आगे भी अपनाये जाने हेतु धर्म राजनैतिक विमर्श के केन्द्र में आ गया। जब ध र्म आ ही गया तो साम्प्रदायिक सोच पर आधारित सियासत का बोलबाला हुआ जिसके दो पाये घृणा व हिंसा ही हैं। 2002 में गुजरात का गोधरा कांड अंततरू भाजपा को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में पहली तथा 2019 में दूसरी बार सत्ता के शीर्ष पर बिठाने में कामयाब रहा। अब यही देश का नया राजनैतिक विमर्श है। तमाम तरह की नीतियों व योजनाओं की नाकामयाबी के बाद भी सत्ता में बने रहने के लिये सामाजिक ध्रुवीकरण भाजपा के लिये अपरिहार्य हो गया है। उसके पिछले करीब 9 वर्षों के कार्यकाल में हिन्दू–मुस्लिम, भारत–पाकिस्तान, श्मशान–कब्रिस्तान, नमाज बनाम हनुमान चालीसा, कपड़ों से पहचान– जैसे मुद्दे सिर चढ़कर बोल रहे हैं। मुजफ्फरनगर, कैराना या दिल्ली के दंगे हों अथवा हाल में हुई मणिपुर, नूंह की वारदातें या फिर जयपुर–मुम्बई एक्सप्रेस में मुस्लिमों को चुन–चुनकर मारना– सारी उसी सामाजिक–राजनैतिक विमर्श की किश्तें हैं। नेता हो या प्रजा, महिलाएं हों या पुरुष, बच्चे हों या शिक्षक– सत्ता के साथ सभी ने इस संस्कृति को आत्मसात कर लिया है। हर कोई यही होता देख रहे हैं। मुजफ्फरनगर की इस घटना से सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पानी अब खतरे के निशान से ऊपर बहने लगा है।

नूंहः सदभाव बना रहे

आदित्य नारायण

हरियाणा के नूंह में फिर खौफ का माहौल कायम है। इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। धारा–144 फिर से लगा दी गई है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। प्रशासन ने 28 अगस्त को विश्व हिन्दू परिषद और अन्य हिन्दू संगठनों द्वारा ब्रजमंडल यात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी है लेकिन हिन्दू संगठन यात्रा निकालने पर अड़े हुए हैं। गत 31 जुलाई को हिन्दू संगठनों द्वारा निकाली गई ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हुई घर्हिंसक झड़पों में 6 लोगों की मौत हो गई थी और करोड़ों रुपए की सम्पत्ति जलकर राख हो गई थी। इसे लेकर पुलिस का धरपकड़ अभियान लगातार जारी है और अब तक लगभग 292 आरोपी गिरफ्तार भी किए जा चुके हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कानून–व्यवस्था की घ्स्थति को देखते हुए ब्रजमंडल यात्रा की अनुमति नहीं दी गई है। सावन का महीना है सभी लोगों की श्रद्धा है और इसलिए मंदिरों में जलाभिषेक की अनुमति दी जाएगी। सभी लोग अपने–अपने स्थानीय मंदिरों में जलाभिषेक कर सकेंगे। उधर 3 से 7 सितम्बर के दौरान नूंह में होने वाली जी–20 शेरपा समूह की बैठक के दृष्टिगत कानून– व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए हरियाणा पुलिस पूरी तरह से चौकस है और वह कोई जोखिम उठाने को तैयार नहीं। हिन्दू संगठनों का कहना है कि शोभायात्रा जरूर निकाली जाएगी। ऐसे धार्मिक आयोजनों के लिए प्रशासन से कोई अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। वह प्रशासन को जुलूस के बारे में सूचित करेगा और इसके स्वरूप और आकार पर चर्चा करेगा। हिन्दू संगठनों का यह भी कहना है कि क्षेत्र के मुस्लमानों

ने उन्हें सहयोग करने की पेशकश की है। ब्रजमंडल यात्रा कोई परम्परागत यात्रा नहीं है। वैसे तो ब्रजमंडल यात्रा जो कि हर साल हरियाणा के मेवात क्षेत्र में शुरू की जाती है। बता दें कि इस यात्रा का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद द्वारा लगभग तीन साल पहले करवाया गया है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य मेवात व आसपास के मंदिरों को भव्य स्वरूप देना है। हरियाणा के नूंह जिले में काफी प्राचीन मंदिर हैं जो अपनी पहचान खोते जा रहे थे। मेवात दर्शन यात्रा के बहाने हरियाणा के अन्य जिलों से लोग आकर मेवात के पवित्र स्थलों के दर्शन कर सकेंगे व पुण्य लाभ कमाएंगे। सबसे पहले ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा नल्हड़ महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करती है। उसके बाद झिरकेश्वर महादेव तथा गांव शृंगार में राधा कृष्ण मंदिर तथा श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर जलाभिषेक कार्यक्रम किया जाता है। जैसे ही मेवात में यात्रा आने की सूचना लोगों को मिलती है तो उसकी तैयारियों के मद्देनजर लगभग दर्जनों जगहों पर मेवात के हिंदू श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत करते हैं वहीं इस यात्रा में ना केवल मेवात के लोग बल्कि दूर–दूर से आए लोग भी इस यात्रा में भाग लेते हैं। अब सवाल यह है कि क्या हिन्दू संगठनों की ब्रजमंडल यात्रा फिर से स्थगित कर देनी चाहिए। शोभायात्रा निकालना हर किसी का अधिकार है लेकिन कानून व्यवस्था कीघ स्थिति को देखते हुए हिन्दू संगठनों को भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए। भारत की गंगा–जमुनी तहजीब को देखते हुए ही फैसला लिया जाना चाहिए। गंगा–जमुनी तहजीब उत्तरी भारत के मैदानों, विशेषकर दोआब क्षेत्र की उस संस्कृति को कहते हैं जिसमें हिन्दू–मुस्लिम समुदाय पारस्परिक भाईचारे के साथ रहते हैं। यह नाम गंगा और यमुना (जिसे जमुना भी कहते हैं) नदी से आया है। इन नदियों के बीच के मैदानी इलाकों में रहने वाली आबादी मुस्लिम सांस्कृतिक तत्वों के साथ हिन्दू सांस्कृतिक तत्वों को मिश्रित रूप से अपनाती है। यह संस्कृति दक्षिण एशिया के इतिहास में हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच मेल–मिलाप के कारण उभरी। इस तहजीब (संस्कृति) में भाषा की एक विशेष शैली, साहित्य, मनोरंजन, वेशभूषा, शिष्टाचार, विश्वदृष्टि, कला, वास्तुकला और व्यंजन शामिल हैं। यह कमोबेश हिन्दुस्तान क्षेत्र यानी उत्तरी दक्षिण एशिया के मैदानी इलाकों में व्याप्त है। भारत में विभिन्न धर्मों के अनुयायियों द्वारा एक–दूसरे के त्यौहार मना के सांप्रदायिक सद्भाव प्रकट करना गंगा–जमुनी तहजीब मानी जाती है। गंगा–जमुनी तहजीब के कुछ ऐतिहासिक उदहारण हैं, उर्दू भाषा का उद्भव, मलिक मोहम्मद जायसी द्वारा अवधी भाषा में लिखी पद्मावत, भक्ति काल के कई कवि जैसे कि कबीर जिन्होंने मुसलमान और हिन्दू दोनों के तत्व के साथ रचनाएं लिखी। आध ुनिक समय में लखनऊ या हैदराबाद की नवाबी संस्कृति इसका उदहारण मानी जाती है। गंगा–जमुनी तहजीब वाक्यांश का उद्गम अवधी भाषा से माना जाता है। गंगा–जमुनी संस्कृति के संवाहक रहे अमीर खुसरो को आज के लोग याद करते हैं। अमीर खुसरो के पास हिन्दुस्तानी संस्कृति के तमाम रंग देखने को मिल जाते हैं। ऐसे रंग जिसमें न केवल वह रंगे बल्कि लोग भी रंग गए। उन्होंने ही फारसी और हिन्दी घमिलाकर खड़ी बोली का रूप दिया था। अगर हिन्दू संगठन अपनी आस्था के अनुरूप ब्रजमंडल यात्रा निकालना चाहते हैं तो मुस्लिम संगठनों को भी उन्हें पूरा सहयोग देना चाहिए और पुलिस प्रशासन को भी हिन्दू–मुस्लिम संगठनों से बातचीत कर पूरी तरह से आश्वस्त होने और पहले से अधिक सतर्कता के साथ यात्रा के लिए प्रबंध करना चाहिए। यह भी संभव है कि हिन्दू संगठन श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ न एकत्र कर सांकेतिक रूप से यात्रा निकाले और मंदिर में जाकर जलाभिषेक करें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने वक्तव्य से एक तरह से ऐसा करने का सुझावद दिया है। बेहतर यही होगा कि सभी संगठन संयम से काम लें और गंगा–जमुनी तहजीब का परिचय दें जिससे साम्प्रदायिक सद्भाव बना रहे।

विद्यालय अच्छे 'इंसान' बनायें

आज मुझे महान कहानीकार मुंशी प्रेमचन्द की लिखी 'ईदगाह' कहानी याद रही है जिसमें छोटा सा लड़का 'हामिद' अपनी बूढ़ी दादी के लिए ईद के मेले से 'चिमटा' खरीद कर लाता है और अपने साथ के बच्चों द्वारा मेले से खरीदे गये 'खिलौनों' की तुलना अपने चिमटे से करते हुए उसके 'गुणों' का बखान करता है। मैं हैरान हूं कि आज की 21वीं सदी के भारत के मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव का मुस्लिम बालक अपने साथ स्कूल में अपने ही साथियों द्वारा किये गये बर्ताव का वर्णन अपने अन्य संगी–साथियों से किस प्रकार कर पायेगा और अपनी अध्यापिका के व्यवहार का चित्रण उसके बालमन में किस तरह अंकित होकर उसके व्यक्तित्व को ढालेगा? स्वतन्त्रता के केवल 75 वर्षों के भीतर ही हमने यह कौन सा भारत बना डाला है जिसके प्राइमरी विद्यालयों में ही नफरत की शिक्षा दी जा रही है। हम कैसे भारत के निर्माण की नींव रख रहे हैं?किसी भी जीवन्त देश के भविष्य निर्माता उसके बच्चे ही होते हैं और उनको संवारने की जिम्मेदारी शिक्षक समाज की होती है। शिक्षक केवल एक छात्र या छात्रा का निर्माण नहीं करता है बल्कि वह पूरे समाज और देश का निर्माण करता है। मगर नफरत केवल निजी गुण या अवगुण नहीं होता बल्कि वह एक विचारधारा होती है। लोकतन्त्र राजनैतिक विचारधाराओं का समागम होता है जिनका अनुसरण विभिन्न राजनैतिक दल करते हैं। राजनीति का धर्म समाज को सुदृढ़ व विकसित और प्रगतिशील बनाना होता है जिससे देश भी इसी दिशा में आगे बढ़ सके। महात्मा गांधी ने अपना जीवन केवल भारत से अंग्रेजों को बाहर निकालने के लिए ही नहीं खपाया बल्कि हिन्दू समाज में जातिगत गैर बराबरी को दूर करने और दलितों के साथ न्यायोचित बराबरी का व्यवहार करने के लिए भी खपाया। उन्होंने हिन्दू–मुसलमान भाईचारे के लिए भी अपना जीवन होम कर दिया जबकि उनके विपरीत मुस्लिम लीग के नेता मुहम्मद अली जिन्ना ने अपना जीवन हिन्दू–मुसलमानों के बीच नफरत फैलाने के लिए लगा दिया और भारतीयों से दगा करके मुसलमानों के लिए पृथक पाकिस्तान का निर्माण भी अंग्रेजों के साथ साजिश रच कर करा लिया लेकिन अन्त में जीत गांधी की ही हुई क्योंकि उन्होंने जिस भारत का निर्माण किया था उसमें ही रहने वाले मुसलमानों ने भारत के विकास के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने में किसी हिन्दू के मुकाबले कम दिलेरी नहीं दिखाई। इस मुल्क की खुशहाली के लिए उन्होंने भी अपने स्तर पर वह सब कुछ किया जो हिन्दू नागरिक कर सकते थे। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मुस्लिम नागरिकों की प्रभावी सहभागिता को कोई भी भारतीय नकार नहीं सकता है। जिस पश्चिम उत्तर प्रदेश के मुजफ्फर नगर जिले की बात हो रही है उसी में वह 'कैराना' भी आथा है जो एक समय में भारतीय शास्त्रीय संगीत का बहुत बड़ा केन्द्र हुआ करता था। इस कैराना घराने के उस्ताद वहीद खां से लेकर प. भीमसेन जोशी तक का शास्त्रीय गायन में डंका बजता था। प. उत्तर प्रदेश में 'त्यागी'भी हिन्दू व मुसलमान दोनों होते हैं।ऐसे वातावरण को समाप्त करने की पहली जिम्मेदारी 'राज्य' की ही बनती है। राज्य अर्थात सत्ता केवल संविधान से ही चलती है और संविधान हर हिन्दू–मुसलमान नागरिक को एक समान अधिकार देता है और ताईद करता है कि इसे तोड़ने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ बिना उसकी जाति, मजहब या लिंग का ध्यान किये बिना कानूनी कार्रवाई की जायेगी और प्रताघ्ड़ित व्यक्ति के साथ न्याय किया जायेगा परन्तु हम देख चुके हैं कि 2013 में इसी जिले मुजफ्फरनगर में क्या हुआ था और किस प्रकार साम्प्रदायिक हिंसा का नंगा नाच हुआ था और सैकड़ों वर्षों से भाईचारे में रहते आये मुसलमानों और जाटों के बीच गहरी रंजिशें पैदा हो गई थीं। अतः कोशिश यह होनी चाहिए कि नफरत की आग पुनः किसी भी तरह फैलने न पाये और भाईचारा हर कीमत पर कायम रहे। नफरत की बुनियाद पर खड़ी की गई इमारतें भी ताश के पत्तों की तरह उसी तरह ढेर हो जाया करती हैं जिस तरह आज पाकिस्तान की हालत हो रही है। इसलिए जरूरी है कि मुस्लिम बच्चों की पढ़ाई के लिए इस क्षेत्र के लोग ही आयें और उनकी शिक्षा की अच्छी व्यवस्था करें जिससे मुस्लिम बच्चे निर्भय होकर अपनी पढ़ाई कर सकें और देश के सजग व सुजान नागरिक बन कर इसके विकास में हिस्सेदारी कर सकें। नफरत को केवल इसी तरह समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि हम अपने स्कूलों व विद्यालयों को मजहबी आस्थाओं का अड्डा बनने से रोकें। विद्यालय में सभी छात्र केवल इंसान की औलाद के रूप में आयें और मानवता का पाठ सीख कर जायें। मजहबी पढ़ाई के लिए उनके घर ही काफी हैं। हमें विद्यालयों में हिन्दू–मुसलमान नहीं बल्कि अच्छे इंसान और नागरिक बनाने हैं।

मंदिर ट्रस्टी की खुली गुंडई मंदिर के मुख्य पुजारी से छीने रुपये बाइक में लगाया ताला।

मामला केसव नगर चौकी अन्तर्गत नायक नगर स्तिय शिव मंदिर का।

पुजारी सत्यम पाण्डेय से छीना 18000 रुपये और बाइक की चौन में लगाया ताला।

घटना के बाद से घर में ताला लगा मोबाइल बंद कर दबंग अवधेश तिवारी फरार।

लखनऊ। मड़ियांव कोतवाली की केसव नगर पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला नायक नगर में स्थित सार्वजनिक विश्वेश्वर मंदिर पर गुडंई दबंगई के चलते अवधेश तिवारी पुत्र अज्ञात मोहल्ला नायक नगर मकान नं 643ध्140 नायक नगर लखनऊ ने पूजा पाठ कर रहे पंडित सत्यम पांडेय जो लगभग दो माह से इसी मंदिर पर पूजा करने का कार्य करता था। मंदिर प्रांगण में पीछे साइड में छोटे कमरे में रुकता था आकर गालियां देना शुरू कर दिया जिसका विरोध करना पुजारी सत्यम को भारी पड़ गया अवधेश तिवारी ने पुजारी पाण्डेय को मारने दौड़ा और फिर उसकी जेब में रखे 18000 ध्– निकल लिया और कहा कि देखते है कैसे जाते हो जब तक पूरा 40000 हजार रुपया नहीं डोगे ज्यादा करोगे तो तुमको जान से मरवा देंगे जो तुम अच्छी तरह से जानते हो वही जब गहनता से पड़ताल की गयी तो ज्ञात हुआ कि अवधेश तिवारी ही पुजारी को पूजा पाठ करने के लिए लाये थे कुछ ही दिनों में अपने अच्छे आचरण एवं स्वभाव के कारण पुजारी सत्यम पाण्डेय लोकप्रिय हो गए ये बात दबंग तिवारी को नागवार गुजरी ।दूसरी बात ये भी निकल कर आई कि वहा पर शौचालय न होने की वजह से पुजारी को बहुत दिक्कत होती थी जिसको देखते हुए वहा के निवासियो ने नया बाथरुम बनवा दिया । कुछ दिन ही बीते थे की प्रति दिन भांति 26/8/2023 की रात्रि लगभग लगभग 9 बजे अचानक अवधेश कुमार तिवारी मंदिर पर आ गया और पंडित सत्यम पांडेय से कहने लगा की रक्षाबंधन पर घर जाओगे की नही सत्यम ने कह दिया की जाऊगा। परंतु पंडित जी दोबारा हम नहीं आएंगे इतनी बेइज्जती हम बर्दाश्त नहीं कर पायेगे । इतने में अवधेश तिवारी आग बबूला हो गया और गंदी गंदी गालियां देने लगा कहा कि तुम्हारी औकात नहीं की तुम यहां से चलें जाओ । जो शौचालय बना है उसकी कीमत देकर जाओ। जिसको पुजारी ने मना कर दिया और कहा हम कहां से कीमत देंगे तो उसने मेरी टीवी यस राईडर मोटरसाइकिल यू पी 34 BP 8340 में ताला डाल दिया फिर मेरे पास रखें। 18 हजार रुपए छीन कर चला गया। उसी समय से उपरोक्त अवधेश तिवारी मोबाइल बंद है। मड़ियांव कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया जिसका संज्ञान तुरंत ही चौकी प्रभारी केशव नगर ने लिया और तत्काल मौके पर पहुंच केसव नगर पुलिस ने मोटरसाइकिल से खुद ताला खुलवाया पं सत्यम का सारा सामान अपनी उपस्थिति में दिलवाया। एक घंटे तक पुलिस खडी रही किंतु अवधेश तिवारी नही आया। केशव नगर चौकी प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि जैसे ही अवधेश तिवारी से संपर्क हो जायेगा उसको बुलाकर कार्रवाई निश्चित तौर पर की जाएगी।

सोशल मीडिया से नकली नोट का काला धंधा,दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक करते सप्लाई, लखनऊपुलिस ने 5 को पकड़ा

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से नकली नोट की यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड से लेकर पश्चिम बंगाल तक नकली नोट सप्लाई करने वाले गैंग के पांच सदस्यों को पकड़ा है। पुलिस टीम ने इनके पास से तीन लाख रुपये के नकली नोट और बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। यह लोग असली नोट के बदले पांच गुनी कीमत के नकली नोट देते थे। पुलिस टीम इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि सोमवार को नकली करेंसी छापकर असली के रूप में मार्केट में चलाने वाले अन्तर्जनपदीय शांतिर गिरोह के सरगना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 3.20 लाख रुपये के नकली नोट, उन्हें छापने के उपकरण भी बरामद हुए हैं। मडियांव थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर घैला पुल के पास हाण्डा अमेज गाड़ी से प्रतापगढ़ अंतू मौरहा निवासी विकास दुबे, इटौंजा नरायणपुर निवासी विकास सिंह और नई दिल्ली अलीपुर निवासी विकास भारद्वाज को गिरफ्तार किया। इनकी निशान देही पर विभूतिखंड स्थित पार्क व्यूइन होटल से गोंडा कौड़िया बाजार निवासी रवि प्रकाश पांडेय और बाराबंकी कोठी निवासी उत्कर्ष द्विवेदी को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों ने बताया कि यह पांचों लोग मिलकर नकली करेन्सी तैयार करते हैं। जिसके उपकरण भी होटल में ही बरामद हुए।पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह लोग सोशल मीडिया के माध्यम से नकली नोट खपाने के लिए ग्राहक खोजते थे। लोग जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में इनकी बातों में फंस जाते थे। इसके बाद यह उन्हें बीस हजार के बदले एक लाख रुपये नकली नोट देते थे।

अमरमणि त्रिपाठी की एमपी एमएलए कोर्ट ने तलब की बीमारी की रिपोर्ट

लखनऊ(संवाददाता)। बहुचर्चित मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा से रिहाई के बाद प्रदेश के पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं।

उम्रकैद की सजा होने के बावजूद अमरमणि त्रिपाठी की सजा का अधिकांश हिस्सा बीमारी के नाम पर बी आर मेडिकल कॉलेज में ही बीता है। बस्ती के 22 साल पुराने किडनैपिंग के मामले में एमपी–एमएलए कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए अमरमणि त्रिपाठी की बीमारी के संबंध में रिपोर्ट तलब की है। बस्ती के एमपी–एमएलए कोर्ट ने गोरखपुर के सीएमओ को रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। गोरखपुर के सीएमओ ने जल्द ही रिपोर्ट दाखिल करने की बात कही है। पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को पिछले दिनों 18 साल जेल में काटने के बाद रिहा कर दिया गया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में उम्रकैद की सजा भुगत रहे त्रिपाठी दंपति की समय पूर्व रिहाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए 8 सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

अमरमणि और मधुमणि की उम्र कैद की सजा को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। मधुमिता शुक्ला की बहन निधि शुक्ला ने इस मामले में सवाल उठाते हुए कहा था कि अमरमणि और उनकी पत्नी ने उम्रकैद का अधिकांश हिस्सा जेल से बाहर अस्पताल में काटा है। ऐसे में उनकी उम्रकैद की सजा अभी पूरी नहीं हुई है। गोरखपुर में 11 साल 5 महीने की सजा के दौरान अमरमणि ने सिर्फ 16 महीने ही जेल में काटे हैं। बीमारी के नाम पर उनका बाकी समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राइवेट वार्ड में बीता है।बस्ती में किडनैपिंग के 22 साल पुराने मामले में अमरमणि त्रिपाठी को 14 अगस्त को एमपी–एमएलए कोर्ट में तलब किया गया था मगर अमरमणि त्रिपाठी पेश नहीं हुए थे। इस पर बस्ती के एमपी–एमएलए कोर्ट की ओर से गोरखपुर के सीएमओ से अमरमणि की बीमारी के संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है। कोर्ट ने सीएमओ से सवाल पूछा है कि अमरमणि को आखिर कौन सी ऐसी बीमारी है जिसके कारण वे कोर्ट में पेश नहीं हो सकते। कोर्ट ने सीएमओ को 24 अगस्त को ही अमरमणि त्रिपाठी की मेडिकल रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था मगर अभी तक मेडिकल बोर्ड का गठन नहीं किया जा सका है।गोरखपुर के सीएमओ आशुतोष दुबे के मुताबिक अब जल्द ही मेडिकल बोर्ड का गठन करके अमरमणि त्रिपाठी की मेडिकल रिपोर्ट अदालत में पेश की जाएगी। कोर्ट ने फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों के संबंध में भी कड़ा रुख अपनाया है। दोनों आरोपियों को पेश करने के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा गया है। अमरमणि त्रिपाठी की मुश्किलें जिस अपहरण कांड में बढ़ रही हैं, वह कांड भी मधुमिता शुक्ला हत्याकांड की तरह काफी चर्चित हुआ था। बस्ती कोतवाली इलाके के गांधीनगर निवासी धर्मराज गुप्ता के बेटे का 2001 में अपहरण कर लिया गया था। बच्चे की बरामदगी अमरमणि त्रिपाठी के लखनऊ स्थित आवास से हुई थी।घटना को लेकर काफी हंगामा हुआ था। मामले में अमरमणि त्रिपाठी समेत नौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में अमरमणि समेत तीन लोग अभी तक अदालत में हाजिर नहीं हुए हैं जिसे लेकर अब अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है।

कासिम शहीद बाबा का तीन दिवसीय उर्स आज से

लखनऊ(संवाददाता)। साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द का प्रतीक उत्तर प्रदेश की राजधानी की अति प्रसिद्ध दरगाह हजरत कासिम शहीद बाबा का सालाना उर्स मुबारक व मेला 29.08.2023 को आरम्भ हो रहा है। उर्स के मौके पर सज्जादानशीन,संरक्षक दरगाह कमेटी ने बताया कि कासिम शहीद बाबा बहराइच शरीफ की मशहूर दरगाह सैय्यद सालार मसूद गाजी रहमतुल्लाह अलैह के प्रमुख साथियों में से हैं। कासिम बाबा का उर्स मुबारक सफर माह चेहल्लुम की 11, 12, 13 तारीख को मनाया जाता है। सालाना उर्स में प्रमुख रूप से माननीय ब्रजेश पाठक, उपमुख्यमंत्री ,माननीय अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, माननीय दानिश आजाद अंसारी, राजमंत्री, माननीय राम चंद्र प्रधान सदस्य विधान परिषद, माननीय डा0 अशोक बाजपई सांसद, माननीय मुकेश शर्मा एमएलसी, डा0 नीरज बोरा, विधायक, माननीय रविदास मेहरोत्रा विधायक को दावतनामा भेजा गया है सभी का उर्स में शिरकत करने की पूर्ण सम्भावना है उनके द्वारा यह भी बताया गया तारीख 29.08.2023 को शाम 6:30 बाद नमघज मगरिब मिलाद शरीफ होगा, जिसमें मौलाना सैय्यद अन्सार साहब (मुबल्लिक दावते इस्लामी), कारी जमील साहब, नातख्वा सददाम हुसैन, शायर अब्दुल लतीफ, तारिक साहब एवं कारी फरियाद साहब खिताब करेंगे। शाम 08.30 बाद नमाज इशा परम्परानुसार सज्जादा नशीन के घर से सरकारी चादर हजारों जायरीन के साथ दरगाह शरीफ पर कव्वाली के साथ चढ़ाई जायेगी, जिसमें माननीय शिवपाल यादव पूर्व मंत्री, माननीय असीम अरुण, शादाब आलम, सदस्य उर्दू ऐकादमी तथा भी शामिल होंगे। उसके बाद उर्स मुबारक का उद्घाटन होगा। रात 09.00 बजे नातिया मुशायरा जिसमें शायर शारिक लहरपुरी, इरफान लखनऊ, डॉक्टर हारुन रशीद, सलीम ताबिश, कमर सीतापुरी, संजय मिश्रा, हामिद लखनऊ, शमशीर आलम साहबपुरी नातिया मुशायरे में शिरकत करेंगे सभी जायरीनों के लिये लंगर तकसीम (भण्डारा वितरण) किया जायेगा। दरगाह कमेटी ने जायरीनों के लिए सालाना उर्स की जानकारी, सुझाव वा शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 9335242288 जारी किया है। तारीख 30.08.2023 को सुबह 6:00 बजे कुरान ख्वानी होगी, शाम 06रू30 बजे दरगाह कमेटी की चादर पोशी व गुलपोशी दरगाह शरीफ पर कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर आली जनाब जमीर अहमद खाँन वारसी मरहूम के इशाले सवाब में जायरीनों को लंगर तकसीम (भण्डारा वितरण) दरगाह के सज्जादा नशीन जुबैर अहमद खाँन के करकमलो द्वारा किया जायेगा।

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड चौंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल, सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप में रविवार देर रात इतिहास रच दिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने 88.17 मीटर के अपने बेस्ट एफर्ट के साथ गोल्ड जीता। यह चौंपियनशिप हंगरी के बुडापेस्ट में 19 अगस्त से 27 अगस्त तक खेली गई। इस अवसर पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नीरज चोपड़ा को बधाई दी है। अपने ट्विटर हैंडल से संदेश देते हुए सीएम ने लिखा है बधाई हो, नीरज चोपड़ा।ॅवतसक।जीसमजपबेबिंउचपवदीपचे में आपके अभूतपूर्व 88.17–मीटर थ्रो के कारण, आप डायमंड लीग ट्रॉफी, विश्व चौंपियनशिप स्वर्ण और ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। आपकी उपलब्धियां पूरे देश की भावना को ऊपर उठाती हैं। प्रत्येक भारतीय गर्व और प्रेरणा से सातवें आसमान पर है। 25 साल के नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चौम्पियन में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पिछले साल यूजीन में वर्ल्ड चौम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था, जिसे उन्होंने इस बार गोल्ड में बदला। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने सिल्वर जीता। उन्होंने 87.82 मीटर का बेस्ट एफर्ट निकाला। यह चौंपियनशिप 1983 से हो रही है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चौंपियनशिप में यह भारत का ओवरऑल तीसरा मेडल है।

हिंदू कोई धर्म नहीं, बल्कि धोखा,स्वामी मौर्य ने कहा-ये दलितों पिछड़ों को फंसाने का जाल

लखनऊ(संवाददाता)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को ब्राह्मण समाज और हिंदू धर्म को लेकर विवादित ट्वीट किया। उन्होंने लिखा– ब्राह्मणवाद की जड़े बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं। हिंदू धर्म केवल धोखा है। सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता। दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता। लेकिन क्या विडंबना है... स्वामी प्रसाद के बयान के बाद सपा की सांसद डिंपल यादव ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की। उन्होंने कहा– सनातन ध्र्म का कोई दुश्मन नहीं है। लिहाजा 2024 में हर धर्म के लोग इंडिया गठबंधन को वोट करेंगे। स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत फिर गरमा गई है। इस पर बीजेपी प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने कहा स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा किया गया यह ट्वीट सिर्फ समाज में द्वेष पैदा करने के लिए किया गया है।राजनीति का बहुत ही गिरा हुआ स्तर है। जहां तक बात ब्राह्मण समाज की रही तो आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म के बारे में दुनिया को अवगत कराया। इसमें ब्राह्मणों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। स्वामी प्रसाद मौर्य सिर्फ इस तरह के बयान देकर अगड़ा बनाम पिछड़ा करना चाहते हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य के हिन्दू धर्म को धोखा कहने पर सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने शिकायत दर्ज कराई है।

सावन के अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भीड़

लखनऊ(संवाददाता)। सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को राजधानी भर के शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही शिवालयों में शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। खासकर महिलाओं में पूजा–अर्चना को लेकर काफी उत्साह देखा गया। राजधानी समेत ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में दिनोंभर शिवभक्तों का तांता लगा रहा। इस दौरान महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने शिवालय पहुंचकर भगवान भोलेशंकर पर फल, फूल, नैवेद्य,भांग, धथुरा, बेलपत्र आदि चढ़ाकर पूजा–अर्चना किया। इसके साथ ही शिवोलग पर जलाभिषेक कर अपने पूरे परिवार की मंगल कामना की। पूजन के दौरान शिवभक्त हर–हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। पूरा शहर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। शहर से लेकर गांव तक लोग शिव की भक्ति में लीन दिखे। पूजन को लेकर राजधानी के डालीगंज मनकामेश्वर मंदिर, नादान महल रोड स्थित सिद्धनाथ मंदिर, आलमनगर स्थित बुद्धेश्वर मंदिर,पातालपुरी स्थित शिवालय, चौक स्थित शिव मंदिर समेत ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में दिनोंभर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर कमेटी द्वारा लाईट लगाकर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शिवालयों की खूबसूरती देखते बन रही थी। मनकामेश्वर मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर समेत कई मंदिरों में रूद्राभिषेक कराया गया। इस दौरान शहर शिवभक्त मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेशंकर की पूजा–अर्चना करते दिखे। पूजन को लेकर शिवभक्तों में काफी उत्साह देखा गया।

डालीगंज में हुये बाबा बर्फानी के दर्शन, सजी रंगीन बर्फ की झांकी

लखनऊ(संवाददाता)। ढलाई घर डालीगंज स्थित श्री भोलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रावण मास के आखिरी सोमवार को श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इस मौके पर भगवान भोलेनाथ का रंगीन बर्फ से श्रृंगार किया गया। मन्दिर के बाहर दो विशाल शिव महल और शिव परिवार की झांकी सजाई गई। झांकी के दर्शन करने के लिए महिला व पुरुष की लम्बी कतारें लगी रहीं। मंदिर समिति के अनिल कुमार अग्रवाल, अवधेश कुमार अग्रवाल, जितेन्द्र बंसल की मौजूदगी में पुजारी पंडित अरविंद ने भोलेनाथ की पूजा अर्चना व आरती करने के बाद दर्शन के लिए झांकी खोली गई। दर्शन करने के लिए पूर्व डिप्टी सीएम डा दिनेश शर्मा भी पहुंचे। छलिया एंड पार्टी द्वारा भजन संध्या, शिव पार्वती, राधा कृष्ण व बजरंग बली के सुंदर नृत्य ने लोगों को भावविभोर कर दिया। रवि गोयल ने बताया कि पहले श्रद्धालु गणेश द्वार से ठंडे पानी की लम्बी गुफा से होते हुए झरने के समीप पहुंचे। वहां से बाबा बर्फानी के दर्शन किए। सफेद बर्फ से करीब 10 फीट ऊंचे बाबा अमरनाथ की सुन्दर मनोरम झांकी सजाई गई। उसके आसपास कई कुंटल रंगीन बर्फ से सजावट की गई। बाद में गुफा से ही भक्तों को बाहर निकलते हुए फल और ठंडाई का प्रसाद दिया गया। अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि 300 लीटर ठंडाई बांटी गई।

किसानों ने डीएम से लगाई गुहार,बोले-600 बीघे फसली और उपजाऊ जमीन जाने से बर्बाद हो जाएगा किसान

बांदा(संवाददाता)। जनपद के जारी गांव के ग्रामीणों ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में आकर प्रदर्शन किया और उनके गांव में अधिग्रहीत की जा रही जमीन को अधिग्रहण न किए जाने की मांग की। किसानों का कहना है कि जिस जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है वह दो फसली है और उपजाऊ भी है इसका अधिग्रहण किए जाने से किसान पूरी तरह से तबाह हो जाएगा और किसान पूरा बर्बाद हो जाएगा। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर से सामने आया है।

भाजपा राज में महिलाएं असुरक्षित : काजल निषाद

लखनऊ(संवाददाता)। संघर्षों व परिश्रम की बदौलत समूचे पूर्वांचल में पहचान बनाने वाली सपा की स्टार प्रचारक काजल निषाद ने घोसी विधानसभा में गांव–गांव डोर टू डोर जनसंपर्क कर सुधाकर सिंह को जीत दिलाने की अपील की। काजल निषाद ने घोसी विधानसभा के सेक्टर नम्बर 17 सोमारी ढीह, सेक्टर नम्बर 1 चंद्रापार, सेक्टर नम्बर 21 मीरपुर, सेक्टर नम्बर 32 सोडसर, सेक्टर नम्बर 33 सहरोज, सेक्टर नम्बर 30 चोरपा, सेक्टर नम्बर 38 अलीनगर, सेक्टर नम्बर 36 इन्दारा इत्यादि क्षेत्रों में सघन जनसम्पर्क, चौपाल एवम बैठकें आयोजित कर के वहां की सम्मानित जनता के बीच अपनी बात रखते हुए कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा के राज में बेटियां व महिलाएं बिलकुल असुरक्षित हैं। विगत पंचायत चुनाव में पर्चा दाखिला से रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के सामने महिलाओं को निर्वस्त्र किया गया। महिला सुरक्षा की दावा करने वाली बीजेपी चुप रही।उन्होंने उन्नाव घटना में सरकार की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह जड़ते हुए कहा कि पीड़ित बेटी और पीड़ित परिजन के आरोप लगाने पर पुलिस प्रशासन द्वारा उनकी पिटाई की गई। हाथरस की बेटी के साथ गैंगरेप करके मार डाला गया अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाने के लिए सरकार के आदेश पर प्रशासन ने आधी रात को परिवार के विरोध के बावजूद बेटी को जबरदस्ती गांव से बाहर केरोसिन से जला दिया गया, और केंद्र और राज्य सरकार एक शब्द नहीं बोली। बृजभूषण शरण पर उत्पीड़न का आरोप लगाने और अपने लिए इंसाफ मांगा तो प्रशासन द्वारा उनके कपड़े फाड़े गए, बाल पड़कर घसीटा गया। महिला–सुरक्षा की ठेकेदार बीजेपी सरकार ने उफ तक नहीं किया। जब ऐसे प्रभावित महिलाओं का यह हाल है तो आम महिला का क्या हाल होगा...?मणिपुर में कम आबादी के लोगों पर उनके आदेश से उपद्र होता रहा, सरेआम महिला को नंगा घुमा करके उसके साथ दुष्कर्म किया गया। दुष्कर्म को छिपाने के लिए वहां की बीजेपी राज्य सरकार ने इंटरनेट तक बंद कर दिया।

भारत वैदिक परंपरा का अकूत भंडार : दुर्गा शंकर

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में छठी कार्यक्षमता वृद्धि व्याख्यानमाल हुई। व्याख्यानमाला में आयुष मंत्रालय नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन एनसीआईएसएम के अध्यक्ष डॉ. जयन्त देवपुजारी ने आयुर्वेद का साथ–स्वास्थ्य हमारे साथ विषय पर प्रजेंटेशन दिया। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा कि दो दिन पहले उस गौरवशाली क्षण के साक्षी बने जब हमारे देश का चंद्रयान चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड कर गया, जहां पहले कभी कोई यान लैंड नहीं हुआ। यह देश के लिए बहुत बड़ा पल था। जब इसरो के चेयरमैन एस. सोमनाथ से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विज्ञान का मूल हमारे वेद हैं।

वेदों के ज्ञान से हम आसानी से चंद्रमा पर पहुंच सके। मुख्य सचिव ने कहा कि वैदिक परंपरा का भाग हमारा आयुर्वेद है। आत्मा, इंद्रियों और अपने मन को प्रसन्न रखने के लिए डॉ. जयन्त देवपुजारी की बताई बातों का अनुसरण करना चाहिए। सचिवालय कर्मियों पर महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों के नीति निर्धारण का दायित्व होता है। कार्यक्षमता बढ़ाने और कार्य को आनंदभाव निष्पादित करने, भोजन, दिनचर्या के बारे में आयुर्वेद में बहुत सारी बातें बताई गई हैं, उन्हें अंगीकृत करना चाहिए। हजारों साल पहले का जो ज्ञान है, उसमें आज भी परिवर्तन नहीं हुआ है। इन सारी चीजों को अपना लें तो निश्चित रूप से हमारी क्षमता बढ़ेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि हमारी वैदिक परंपरा समय के साथ कम होती जा रही है। हमारे गांव में एक वैद्यशाला हुआ करती थी, कोई भी बीमार होता था तो वहां वैद्य जी कुछ पुड़िया बनाकर देते थे और बीमारी ठीक हो जाती थी।उनके प्रति हमारे मन में श्रद्धाभाव रहता था। धीरे–धीरे वैद्यशाला खत्म होती गई, लेकिन एक बार दोबारा पिछले 10 साल में आयुष का जिस प्रकार विकास हुआ है, इंडियन सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन का विकास हुआ है, उसकी ताकत कोरोना के दौर में देखी गई।डॉ. जयन्त देव पुजारी ने कहा कि आयुर्वेद विषयों के ज्ञानार्जन के लिए नवीन तथ्यों का अन्वेषण हमेशा करना चाहिए। व्यक्ति को जीवन में चिंताए और परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जीवनशैली पर प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए। सुबह उठकर अपने शरीर से बात करना चाहिए। लोगों ने डॉ जयन्त देव पुजारी से आयुर्वेद से संबंधित कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने उत्तर दिया।

दुश्मनों के सेटेलाइट पर अलीगढ़ से रखी जाएगी नजर, डिफेंस कॉरीडोर में की कंपनी ने शुरू किया काम, रक्षा मंत्रालय को सीधे भेजी जाएगी सूचनाएं

अलीगढ़(संवाददाता)। `अलीगढ़ में डिफेंस कॉरीडोर का काम रफ्तार पकड़ने लगा है और दिल्ली की एक कंपनी ने काम शुरू कर दिया है। यह कंपनी रेडियो फ्रिक्वेंसी के जरिए दुश्मनों के रडार पर पैनी नजर रखती है और अंतरिक्ष में जरा भी गतिविधि ा नजर आने पर इसकी सूचना सीध ो रक्षा मंत्रालय को भेजने का काम करेगी। दिल्ली की यह कंपनी दूर संचार के क्षेत्र में काम करती है और रक्षा मंत्रालय के साथ इसका एमओयू है। डिफेंस कॉरीडोर नोड में इसने अलीगढ़ में अपना निवेश किया है और काम शुरू करने वाली पहली कंपनी बन गई है। अंडला में बन रहे डिफेंस कॉरीडोर में कपनी की ओर से सेटअप भी स्थापित कर दिया गया है, जिससे आकाशीय गतिविधि ायों पर नजर रखी जा रही है। दिल्ली की एमीटेक कंपनी का मुख्य काम रेडियो फ्रिक्वेंसी के जरिए अपने क्षेत्र में आने वाली किसी भी तरह की चीज को चिन्हित करना है। अगर दुश्मन देश या किसी अन्य देश का कोई सेटेलाइट, मिसाइल या इस तरह की अन्य चीज देश की सीमा के अंदर नजर आती है, तो यह अपनी फ्रिक्वेंसी के जरिए उसका पता लगा लेती है। अलीगढ़ में आने वाले समय में विभिन्न रक्षा उत्पाद बनने वाले हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि अलीगढ़ में हथियार, तोपें और गोले तैयार किए जाएंगे। ऐसे में इस कंपनी के जरिए आकाशीय दुश्मनों पर नजर रखी जाएगी। अगर किसी अन्य देश का सेटेलाइट या रडार इसी रेंज में आता है तो तत्काल इसकी सूचना केंद्र सरकार तक पहुंचेगी। जिससे कि तुरंत एक्शन लिया जा सके। एमीटेक कंपनी का रक्षा मंत्रालय के साथ–साथ सुरक्षा उत्पाद की गुणवत्ता परखने वाली संस्था डीआरडीओ और इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) से भी करार हुआ है। यह कंपनी भारत के बॉर्डरों पर भी नजर रखेगी और कुछ भी आकाशीय गतिविधि ा होने पर सीधे इन संस्थानों को सूचना देगी। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जितेंद्र शर्मा ने बताया कि देश में विभिन्न तरह के वैज्ञानिक प्रयोग चलते रहते हैं। इसरो के जरिए आकाश में मिसाइल छोड़े जाते हैं। उनका सिस्टम इन मिसाइलों पर अपनी नजर बनाकर रखेगा। यह मिसाइल आकाश में कहां जा रही है और किस तरह से काम कर रही है, इसे चिन्हित करेगी। इसके अलावा देश की मिसाइलों के आसपास अगर किसी अन्य देश का सेटेलाइट या फिर मिसाइल आती है या हमारी मिसाइल या सेटेलाइट को ट्रैक करती है, तो इसे भी चिन्हित किया जाएगा। इसकी सूचना सीधे रक्षा मंत्रालय को दी जाएगी। वहीं बॉर्डर पर होने वाली गतिविधि पर भी नजर रखी जाएगी, जिससे कि देश का सुरक्षा सिस्टम मजबूत होगा।

आरसीए के तीन छात्रों का प्रतिष्ठित पदों के लिए चयन

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) में सिविल सेवा कोचिंग कार्यक्रम की छात्रा अतिया रहमान ने पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (कार्यकारी) परीक्षा 2021 उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस सेवा में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गयी है।

इस बीच, आरसीए के दो अन्य छात्रों, राहिल अमीन और इल्का हसन ने जम्मू–कश्मीर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022, क्रमशः 17 और 84 रैंक के साथ उत्तीर्ण की है।

एएमयू के कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने उपरोक्त छात्रों को उनके चयन पर बधाई दी है और कहा है कि उनके चयन से अन्य छात्रों को प्रेरणा मिलेगी।

एएमयू की शोधार्थी रोनक शाही द्वारा जी20 महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन में शिरकत

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पश्चिम एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन विभाग की एक शोधार्थी रौनक शाही ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा गांधीनगर, गुजरात में आयोजित जी20 महिला सशक्तिकरण शिखर सम्मेलन में एक छात्र प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। शिखर सम्मेलन में जी20 और अतिथि देशों के महिला और लैंगिक समानता मंत्रियों ने भी भाग लिया। जी20 शिखर सम्मेलन की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम' को बढ़ावा देने में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए शाही ने कहा कि अमुवि भारत की जी20 प्रेसीडेंसी से सर्वश्रेष्ठ परिणाम अर्जित करने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है।उन्होंने कहा कि भारत ने जी20 मंच से वैश्विक चर्चा में 'सहयोग और समावेशिता' का एजेंडा तय किया है, जैसा कि एएमयू के कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में रेखांकित किया था। एक विश्वविद्यालय के रूप में एएमयू अपने छात्रों को जी20 और शिखर सम्मेलन के संदेश – 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' को प्रसारित करने में भारत की भूमिका के बारे में ज्ञान और समझ प्रदान करने के लिए सचेत प्रयास कर रहा है। शाही ने कहा कि शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में, भारत ने 'महिला विकास' से 'महिलाओं के नेतृत्व में विकास' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाकर महिला नेतृत्व को नई प्रेरणा दी है। शाही 'अमेरिकी विदेश नीति का पुनर्निर्माणः विश्व व्यवस्था में बदलाव और पश्चिम एशिया में हितों की प्रतिस्पर्धा' विषय पर शोध कर रही हैं।

बिजली घर में लगी भीषण आग, 12 गांव अंधेरे में

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में देर रात उदयपुरा ग्राम में स्थित बिजली पावर हाउस में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। जिसे देखकर बिजली कर्मचारी दहशत में आ गये। तत्काल बिजली कर्मचारियों ने दमकल विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जालौन से दमकल कर्मी गाड़ी लेकर मौके पर पहुंचे। जिन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया, मगर आग बढ़ता देख आसपास के जनपद व नगर से गाड़ी बुलाया, जिससे आग पर काबू पाया जा सके। वहीं इस बिजली घर में आग लगने से लाखों की क्षति हो चुकी है। वहीं दर्जनों गांव अंधेरे में डूबे हैं। घटना जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उदोतपुरा स्थित बिजली पावर हाउस की है। जहां देर रात बिजली पावर हाउस में लगे ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक करके यह आग आस पास लगे अन्य ट्रांसफार्मरों तक पहुंच गई। जिस कारण आसपास रखा बिजली का सामान जलने लगा। आग की लपटें देख पावर हाउस में मौजूद बिजली कर्मचारी दहशत में आ गये, जिन्होंने तत्काल बिजली सप्लाई बंद की और इस आग के बारे में दमकल कर्मियों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जालौन से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया, मगर जैसे ही आग की लपटें बढ़ने लगीं, तत्काल दमकल कर्मियों ने कोंच, उरई, माधौगढ़ और कालपी के साथ–साथ आसपास के जनपद औरैया और झांसी से गाड़ियों को बुलवाया जिससे बढ़ती आग पर काबू पाया जा सके। वहीं इस भीषण आग की जानकारी मिलते ही जालौन उप जिलाधिकारी, पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लेने में लगे हैं। बता दें कि उदोतपुरा बिजली घर में आसपास के करीब 90 गांव में सप्लाई जाती है, इस भीषण आग से अधिक से अधिक गांव प्रभावित हो गए हैं। वहीं जालौन नगर में भी बिजली की सप्लाई बंद कर दी गई है। करीब 2 घंटे हो गए हैं, मगर अभी तक आग पर 6 दमकल की गाड़ी काबू नहीं पा सकी है।

कैम्ब्रिज कार्यक्रम में एएमयू के शोधार्थियों ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की उर्दू अकादमी के पूर्व निदेशक, डॉ राहत अबरार ने कैम्ब्रिज इंटरफेथ प्रोग्राम, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके और हिंदू–मुस्लिम संबंधों और संवाद के लिए समर्पित एक मंच, प्रोजेक्ट नून के संयुक्त तत्वाधान में 'मुस्लिम श्रोताओं के लिए हिंदू धर्म का परिचय' विषय पर आयोजित एक व्याख्यान श्रृंखला के दौरान 'सर सैयद अहमद खान इंटरफेथ डायलॉग के प्रवर्तक के रूप में' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. अबरार ने कहा कि सर सैयद ने तुलनात्मक धार्मिक अध्ययन की नींव रखी और धर्मों के बीच आम मान्यताओं को तलाश करने और उन्हें एक शक्तिशाली धारा में समाहित करके भारत के प्रमुख समुदायों को एक साथ लाने के लिए दारा शिकोह के दर्शन को पुनर्जीवित किया। उन्होंने कहा कि सर सैयद ने एक सामान्य विश्वास प्रणाली की तलाश में जो भारत के हिंदुओं और मुसलमानों को समन्वय के लिए एक साझा मंच पर ला सके, अपने समय के हिंदू सुध ारकों, संतों और विचारकों के साथ संवाद स्थापित किया जिनमें राजा राममोहन राय, दादाभाई नौरोजी, सर सुरेंद्रनाथ बनर्जी, केशवचंद सेन, स्वामी दयानंद सरस्वती, लाला लाजपत राय और अन्य शामिल थे। डॉ. अबरार ने कहा कि मौलाना आजाद लाइब्रेरी, एएमयू के पास महाभारत, रामायण, गीता और कुछ हिंदू धर्मग्रंथों पर फारसी भाषा में दुर्लभ रचनाएं हैं, जिनमें से कुछ का अनुवाद दारा शिकोह ने किया है। प्रोजेक्ट नून के संपादक और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के फिजियोलॉजी विभाग में रेजिडेंट, डॉ. साद इस्माइल ने कहा कि व्याख्यान श्रृंखला का नेतृत्व कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के देवत्व संकाय में हिंदू अध्ययन के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. अंकुर बरुआ ने किया, जिन्होंने हिंदू दार्शनिक, सांस्कृतिक और सामाजिक–ऐतिहासिक परिदृश्यों के विविध आयामों पर अपना अध्यन प्रस्तुत किया है, जिसमें इब्राहीमी पाठकों और श्रोताओं के लिए इंडिक मुहावरों को डिकोड करना और उनका अनुवाद करना शामिल है। सत्रव्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत फ्रैंकलिन और मार्शल कॉलेज, यूएसए में धार्मिक अध्ययन के एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर शेर अली तरीन, सिनसिनाटी विश्वविद्यालय, यूएसए में सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर मुहम्मद यू फारूक, इनायत और इशरत मलिक और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के के.ए. निजामी सेंटर फॉर कुरानिक स्टडीज के निदेशक, प्रोफेसर अब्दुर रहीम किदवई जैसे विद्वानों ने भाग लिया। प्रोफेसर किदवई ने 'हिंदू भाइयों के लिए सर सैयद के सुधार मिशन' विषय पर बात की।

अध्यक्ष पद पर तीन, मंत्री के लिए दो नामांकन

उरई/जालौन(संवाददाता)। कोंच गल्ला व्यापारियों की संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा की निर्वाचन प्रक्रिया में गहमागहमी के बीच नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। जिसमें अध्यक्ष पद पर तीन और मंत्री पद पर दो लोगों ने अपने नामांकन दाखिल किए। विभिन्न पदों के लिए कुल 33 लोगों ने पर्चे भरे। जिसमें किसान सदस्यों के तीन पदों के लिए तीन ही नामांकन आने के कारण उनके निर्विरोध ा निर्वाचित होने का रास्ता साफ है। 29 अगस्त को नाम वापसी होगी। धर्मादा की ओर से संचालित बल्दाऊ जी धर्मशाला में सुबह ठीक 11 बजे मुख्य निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता ओमप्रकाश अग्रवाल सीनियर, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुनीलकांत तिवारी, रवींद्र शुक्ला अमीन तथा मनीष नगरिया की देखरेख में नामांकन प्रक्रिया हुई। जिसमें विभिन्न पदों के लिए कुल 33 लोगों ने पर्चे भरे। अध्यक्ष पद पर विजय गुप्ता भोले, केशव बबेले और राजकुमार निरंजन छुन्ना ने नामांकन दाखिल किए। मंत्री पद पर विनोद दुबे लौना और राकेश अग्रवाल ने पर्चे भरे। उपाध्यक्ष पद पर राहुल तिवारी, ध्रुव प्रताप सिंह निरंजन व अजय अग्रवाल, उपमंत्री पद पर राजकुमार निरंजन, दिलीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर नवनीत गुप्ता, मुकेश सोनी व राहुल तिवारी, ऑडीटर (निरीक्षक) पद पर जितेंद्र कुमार, राजेंद्र गुप्ता ने नामांकन दाखिल किए। व्यापारी सदस्यों के नौ पदों के लिए 15 लोगों में राममोहन लोहिया, ज्ञानेंद्र सेठ, लक्ष्मण सिंह, जयप्रकाश मुखिया, राममोहन रिछारिया, संजय गुप्ता, विनय अग्रवाल, नरेश चंद्र लोहिया, साकेत पटेरिया, महेंद्र दीवौलिया, संजीव, सुनील अग्रवाल, पुत्तूलाल, अनिल लोहिया, राजेंद्र अग्रवाल बबलू ने नामांकन किए। किसान सदस्यों के तीन पदों के लिए तीन ही नामांकन राजेश मिश्रा, अंशुल मिश्रा तथा सुदर्शन पाणि दास महंत के आए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि 28 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 29 अगस्त को नाम वापस लिए जा सकेंगे। जरूरी होने पर 10 सितंबर को मतदान और उसी दिन परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी।

चलती गाड़ी से चोरों ने उड़ाया सिलेंडर, पुलिस कर रही जांच

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ में दो शातिर चोरों ने चलती गाड़ी से सिलेंडर गायब कर लिया। चलती गाड़ी से सिलेंडर गायब होने का किसी को पता भी नहीं चला और एजेंसी संचालक अपने ही गोदाम और दुकान पर सिलेंडर की खोजबीन करते रहे। जब उन्होंने सीसीटीवी चेक किए तो चोरी की घटना का खुलासा हुआ। शातिर चोरों ने चलती गाड़ी से सिलेंडर उठा लिया और फिर इसे बाइक पर रखकर वहां से गायब हो गए। अब एजेंसी संचालकों ने तहरीर देकर पुलिस से मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। घटना गांधीपार्क थाना क्षेत्र के वैष्णो धाम इलाके की है। 24 अगस्त की सुबह आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया था, लेकिन इसका खुलासा सीसीटीवी सामने आने के बाद हुआ है। सीसीटीवी कैमरे में साफ नजर आ रहा है कि आरोपी पहले से ही घात लगाकर वहां पर सिलेंडर वाले टेंपो का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही टेंपो कालोनी के अंदर आने के लिए मुड़ता है, तो एक आरोपी बहुत ही सफाई से सिलेंडर चलती गाड़ी से उतार लेता है और वहां मौजूद दूसरा आरोपी बाइक लेकर निकल जाता है। चार दिन बाद यह सीसीटीवी सामने आया है। जिसके बाद एजेंसी संचालकों ने यह सीसीटीवी पुलिस को भी दिया है, जिससे कि आरोपियों का जल्द से जल्द पता किया जा सके। घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। वहीं तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिससे कि आरोपियों की पहचान करके सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके। सीओ सेकंड विशाल चौधरी ने बताया कि किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाएगा। आरोपियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है और जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होंगे। जिसके बाद उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एएमयू के पैरा मेडिकल कालिज में ऑप्टोमेट्री छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मेडिसिन संकाय के अंतर्गत पैरामेडिकल कॉलेज द्वारा ऑप्टोमेट्री के छात्रों के लिए लेंसकार्ट टीम के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों और लेंसकार्ट टीम के बीच सार्थक बातचीत को सुविधाजनक बनाने और उन्हें नवीनतम आईवियर फिटिंग तकनीकों, लेंस और फ्रेम के प्रकार और नेत्र चिकित्सा वितरण में हाल की प्रगति से परिचित करने का प्रयास किया गया। मेडिसिन संकाय की डीन प्रोफेसर वीना माहेश्वरी ने कहा कि पैरामेडिकल कॉलेज, एएमयू के शैक्षिक ढांचे में एक नई संस्था होने के बावजूद, छात्रों को व्यावसायिक कोर्सेज में शिक्षा प्रदान करके उन्हें नौकरी के लिए तैयार कर रहा है। जेएनएमसी के प्रिंसिपल और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. हारिस एम खान ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डाला और भारत के बाहर पैरामेडिक्स की संभावनाओं पर चर्चा की।

डेंगू और बढ़ने की आशंका, मंडलीय चिकित्सालय में 50 बेड का वार्ड खुला

बांदा(संवाददाता)। डेंगू के चार और मरीज मिलने और सर्वे में घरों में लार्वा मिलने से डेगूं और बढ़ने की आशंका सता रही है। इससे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में खलबली मची है। रविवार को मंडलीय चिकित्सालय में डेंगू के मरीजों के लिए 50 बेड का वार्ड खोल दिया गया। साथ ही चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ को विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। शहर और नरैनी क्षेत्र में डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं। मौसम में गर्मी कम होने की वजह से डेंगू मच्छर भी बढ़ने लगे हैं। जलभराव और घरों के बर्तनों, ट्यूब, टायर आदि में जमे बरसाती पानी में ये मच्छर पनप रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सर्वे किया तो उसमें भी घरों में डेंगू मच्छर का लार्वा मिला है। उनको नोटिस जारी किया गया है, लेकिन इस प्रकार का लार्वा और होने की आशंका बनी है। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से निपटने और मरीजों को राहत देने के लिए तैयारी की है। मंडलीय चिकित्सालय में डेंगू वार्ड तैयार कर वहां मरीजों की देखरेख की व्यवस्थाएं की गई हैं।

पश्चिम एशिया में उभरते भू-राजनीतिक रुझान पर पैनल चर्चा आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पश्चिम एशियाई और उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन विभाग के वेस्ट एशियन स्टडीज सोसाइटी द्वारा 'पश्चिम एशिया में उभरते भूराजनीतिक रुझान' विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। शोधार्थी मोहम्मद दानिश ने ऐतिहासिक विरासतों, सत्ता संघर्षों और वैश्विक प्रभावों पर जोर देते हुए क्षेत्र के वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रुझानों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। सोसाइटी के अध्यक्ष, इम्तियाज अहमद ने वक्ता और प्रतिभागियों का स्वागत किया, जबकि सोसाइटी की संयुक्त सचिव सैयदा नदा कादरी ने इंटरैक्टिव प्रश्न–उत्तर सत्र का संचालन किया। सोसायटी के सचिव मोहम्मद उबैद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शताब्दी समारोह के अंतर्गत एएमयू में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विभाग की स्थापना के शताब्दी समारोह के अंतर्गत बड़े पैमाने पर पोधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कृषि संकाय के डीन, प्रोफेसर कमल सिंह यादव ने जोर देकर कहा कि गैर–कृषि योग्य भूमि का उपयोग विभिन्न प्रजातियों के पौधों को लगाने के लिए किया जाना चाहिए ताकि शहरी क्षेत्र पर पर्यावरणीय खतरे के प्रतिकूल प्रभाव को रोका या न्यूनतम किया जा सके।

उन्होंने एएमयू परिसर में हरित आवरण की सराहना की जो शहर के पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एम. बदरुज्जमां सिद्दीकी, और विभाग के बॉटनिकल गार्डन प्रभारी प्रोफेसर अनवर शहजाद, भूमि और उद्यान विभाग के सदस्य प्रभारी प्रोफेसर जकी अनवर सिद्दीकी तथा अन्य शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा व्यवस्थित विभिन्न फलदार बगीचों में 100 से अधिक फलों के पौधे लगाए। प्रोफेसर अनवर शहजाद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षा संवाद पर एएमयू के शिक्षा विभाग में गोलमेज सम्मेलन आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की एजुकेशन सोसाइटी द्वारा सेंटर फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (सीईआरटी), नई दिल्ली के सहयोग से 'शिक्षा संवाद' पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर मुजीबुल हसन सिद्दीकी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया, जबकि सीईआरटी, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रोशन मोहिद्दीन ने विषय का परिचय दिया और अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक असमानताओं को दूर करना और शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसरों को बढ़ावा देना है। इनमें मुस्लिम समुदाय के बीच यूजीधीजी छात्रों की ड्रॉप–आउट दरें, ड्रॉप–आउट के मूल कारणों की पहचान और नामांकन और रिटेंशन दर बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों पर विचार–विमर्श करना शामिल था। प्रतिभागियों ने मदरसा शिक्षा के विषय पर भी चर्चा की और सामुदायिक विकास में उनकी भूमिका का पता लगाया। विभाग के शिक्षकों ने विषय वस्तु में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विश्व उद्यमिता दिवस पर गृह विज्ञान विभाग में कार्यक्रम का आयोजन

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्व उद्यमी दिवस के अवसर पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं में उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए 'कपड़ा हस्तशिल्प निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में अलीगढ़ शहर के विभिन्न हिस्सों से कई महिलाओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई। यह कार्यक्रम चेयरपर्सन डॉ. सबा खान की देखरेख में आयोजित किया गया।

यूपी के स्कूलों की नही रद्द होंगी छुट्टियां शिक्षक थे नाखुश, वापस लिया गया पुराना आदेश

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश के स्कूलों की छुट्टियों के संबंध में नया ऑर्डर आया है। इसके तहत 1 से 15 सितंबर के बीच जो छुट्टियां पड़ रही थी वो कैंसिल नहीं की जाएंगी और जिन दिनों में स्कूल बंद होना तय हुआ है, उन दिनों में स्कूल बंद रहेगा। यूपी के स्कूलों में 1 से 15 सितंबर के बीच स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।स्कूलों में हर दिन इससे संबंधित कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस वजह से इस बीच पड़ रही छुट्टियों को कैंसिल कर दिया गया था। पुराने आदेश के मुताबिक बेसिक एजुकेशन डिपार्टमेंट उत्तर प्रदेश ने घोषणा की थी कि 1 से 15 सितंबर के बीच जो भी छुट्टियां पड़ रही हैं, वो कैंसिल की जाती हैं। इस बीच जन्माष्टमी और चेहल्लुम त्योहार पड़ रहे थे लेकिन इस बीच स्कूल खोलने की बात की गई थी। ताजा आदेश में ये ऑर्डर वापस ले लिया गया है।पुराने आदेश के तहत पिछले 15 दिन के अंदर पड़ने वाले रविवार के दिन भी स्कूल खोले जाने की बात कही गई थी,यानि न त्योहार की छुट्टी मिलनी थी और न ही साप्ताहिक अवकाश।इस पर टीचर्स ने अपनी नाराजगी जतायी थी और इस आदेश को गलत बताया था।यूपी के स्कूलों में इस दौरान स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और स्कूलों से पुराने सामान, कचरा आदि को हटाया जाएगा।हर दिन का प्लान तय है और हर दिन कुछ न कुछ एक्टिविटी होगी। जैसे एक दिन शपथ ग्रहण तो एक दिन जागरुकता दिवस।एक दिन हाथ धुलाई दिवस तो एक दिन कुछ और. इस वजह से छुट्टी कैंसिल की गई थी ।

मासूम के साथ दरिंदगी,खून से लथपथ घर पहुंचकर परिजनों को बताई आपबीती

उरई/जालौन(संवाददाता)। जालौन में देर रात घर के बाहर दादा के साथ चारपाई पर सो रही 6 वर्षीय मासूम बच्ची को पड़ोस में रहने वाला युवक उठा ले गया। जहां गांव के बाहर ले जाकर उसके साथ हैवानियत की। इस घटना के बारे में तब पता चला, जब पीड़िता खून से लथपथ हालत में घर पहुंची और आपबीती बताई। जिस पर पीड़िता के परिजन शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे। पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी की तलाश शुरू कर दी। मामला माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। इस इलाके के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसकी 6 वर्षीय बेटी 27 अगस्त की रात्रि 11 बजे दादा और पापा के साथ घर के बाहर चबूतरे पर सो रही थी और घर के सभी लोग अंदर थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला हरेंद्र पुत्र अहिबरन सिंह तोमर सोते समय उसकी बेटी को गांव के बाहर बंबा पर ले गया और उसके साथ दरिंदगी की। जिससे उसकी बेटी लहूलुहान हो गई। बेटी को जब होश आया तो वह घर पहुंची और उसने पूरी आपबीती बताई। जिस पर उसके ससुर आरोपी के घर पहुंचे और इसके बारे में घरवालों को बताया तो आरोपी के परिजनों और आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। इस मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही पीड़िता को इलाज के लिए माधौगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। साथ ही आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार करने का प्रयास शुरू कर दिया।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।